हर दिन परमेश्वर से बातें करना!



हर वर्ष वे शीलो जाते थे



हन्ना के मन में गहरा दुख था



एल्कानाने उसे ढाढ़स दिया



हन्ना ने प्रार्थना करने का निश्चय किया



मौन प्रार्थना

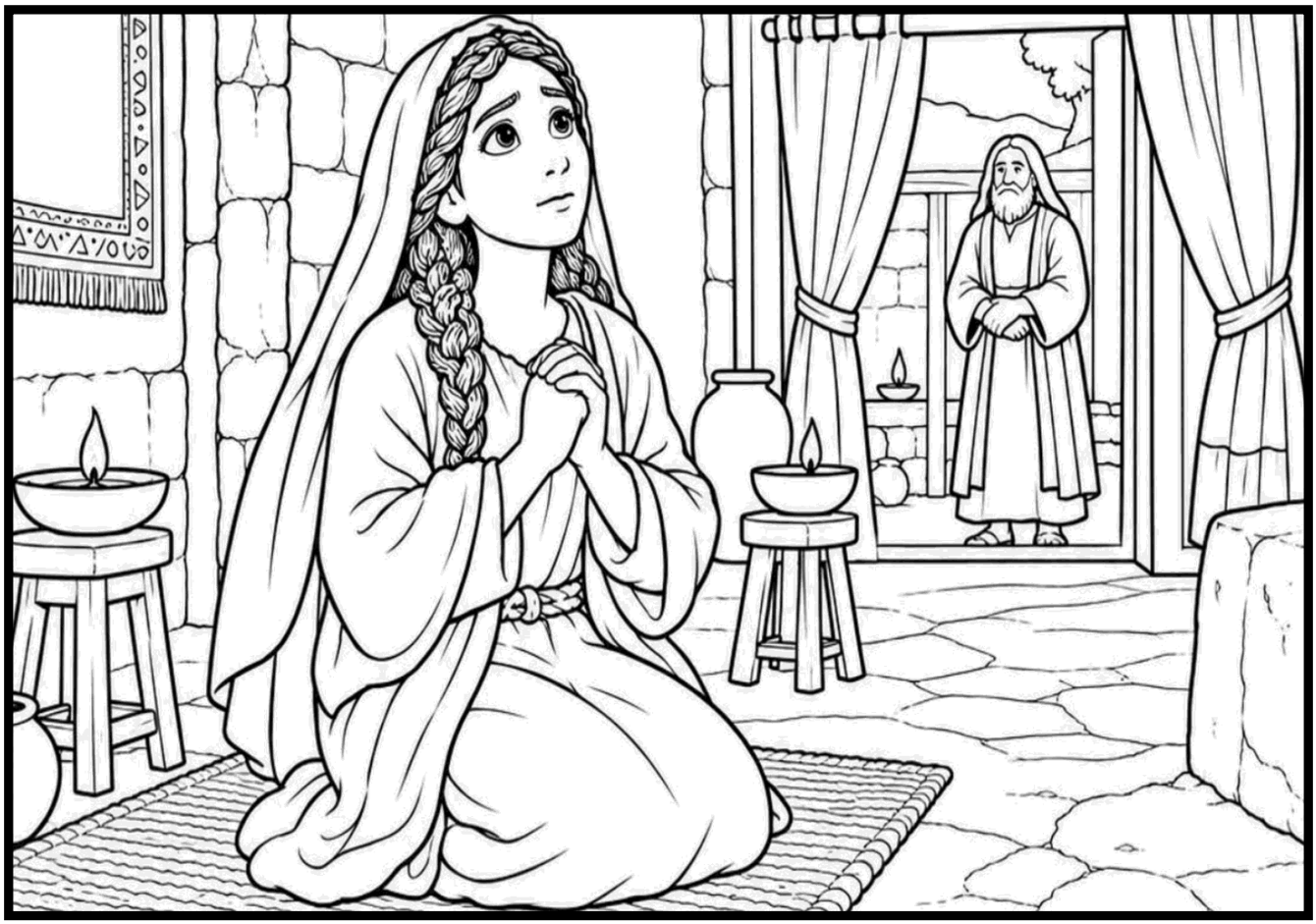

सच्ची प्रतिज्ञा

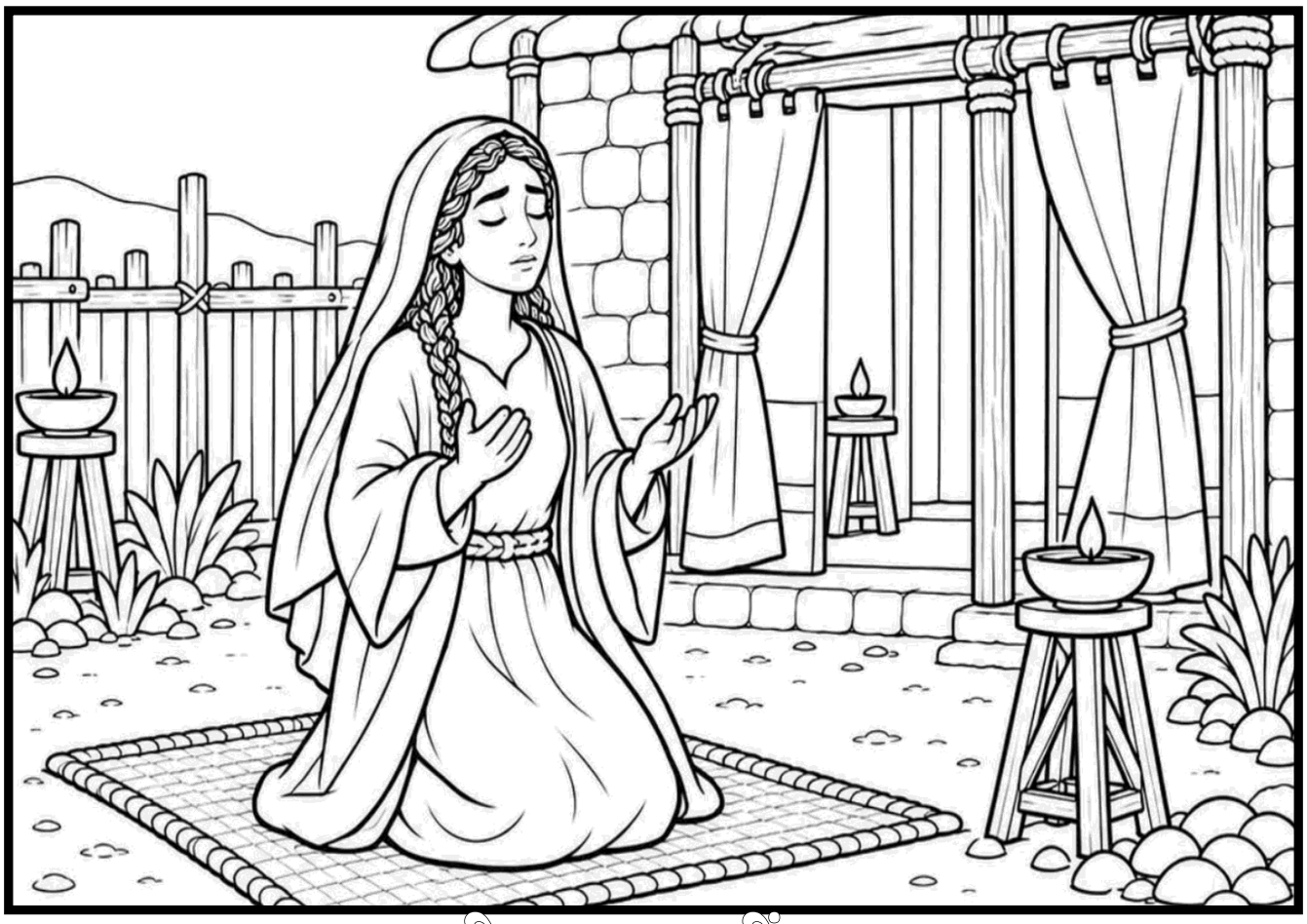

एली समझ नहीं पाया



हन्ना ने अपना दुख बताया



शान्ति से जा



हन्ना आशा के साथ लौटी



परमेश्वर ने हन्ना को स्मरण किया

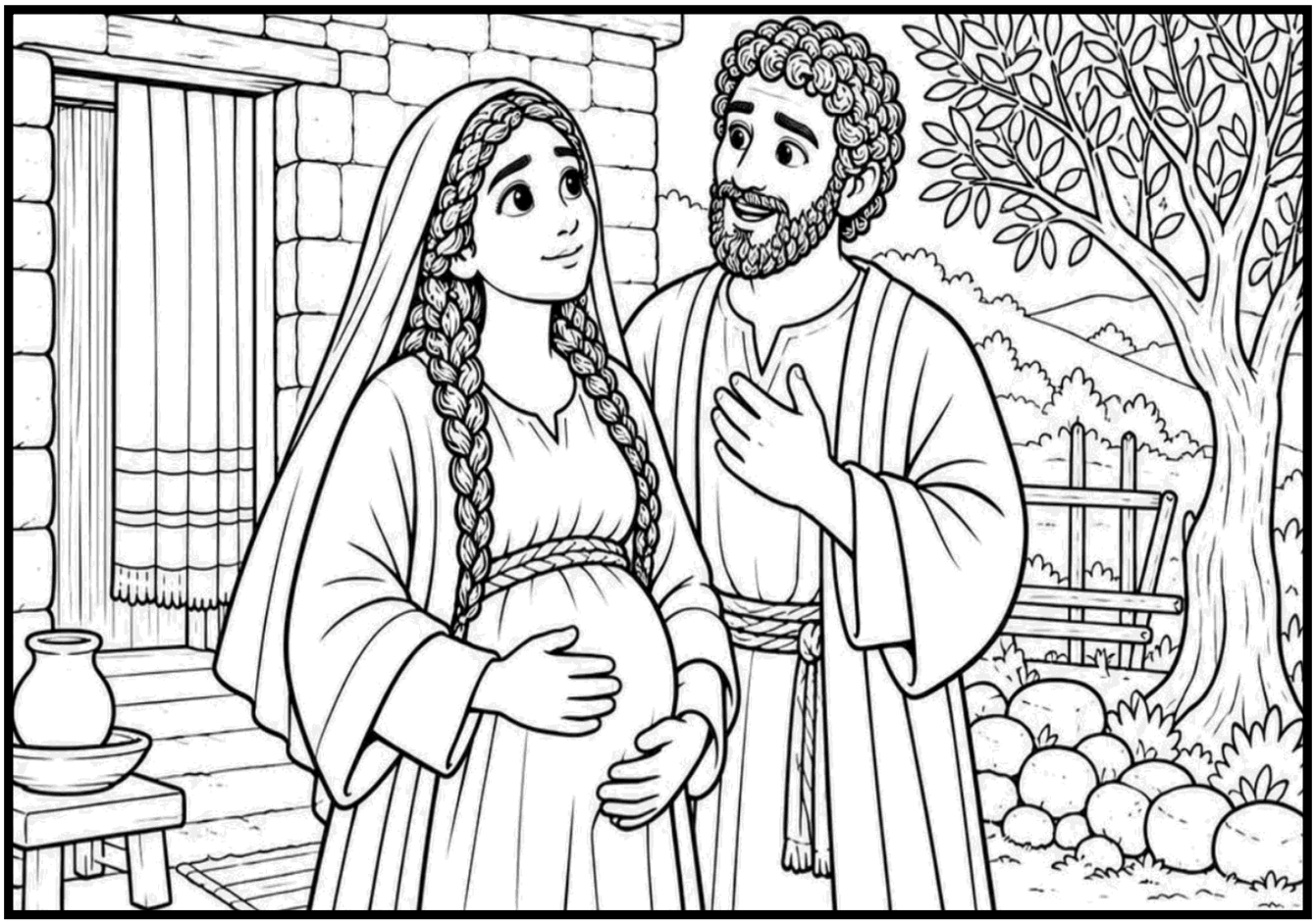

शमूएल का जन्म हुआ

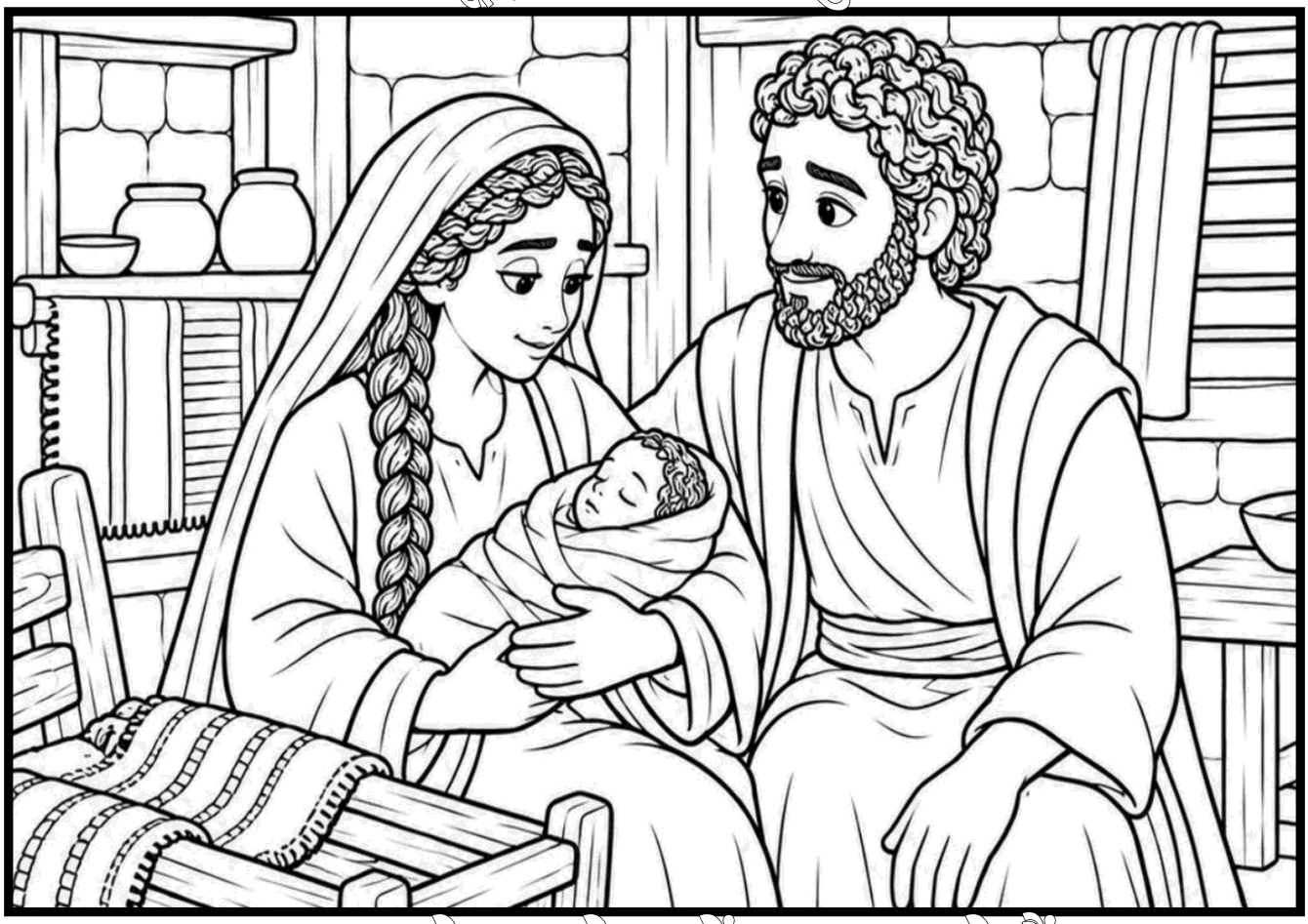

हम परमेश्वर से बातें कर सकते हैं

